डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 348 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 06 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

जमीन विवाद में हथियार से हमला, 5 पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद को लेकर धारदार हथियार से हमला करने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों पर केस दर्ज किया। तालाब की पाल के पास नारायणगढ़ निवासी श्रीराम पिता नारायण तेल ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे काका भगतराम का लड़का मधुसूदन पिता भगतराम आया और बोला कि खेत पर क्यों गया था, कहकर गाली गलौज की व तलवार जैसी वस्तु से हमला किया, जिससे कान, हाथ, पैर, पीठ पर चोंटे आई। इसी दौरान कृष्णचंद, विशाल, गोलू व दीपक आए, इन्होंने भी लोहे के सरिए से हमला किया, जिससे गंभीर चोंटे आई। नारायणगढ़ सरकारी अस्पताल में उपचार के बाद मुझे मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

शिक्षकों को मौका, विद्यार्थियों के साथ धोखा..!

✻ इधर अतिशेष का तनाव जारी, फिर सुनेगे आपत्तियां ✻ 11 अक्टूबर तक का समय, जेडी की देखरेख में कमेटी बनी

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अतिशेष शिक्षकों की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हो पाई है। कईयों को इधर उधर कर दिया गया है। लेकिन, इसके बाद भी अभी आपत्तियों का समय 11 अक्टूबर कर दिया गया है। ऐसे में कई शिक्षकों द्वारा आपत्तियां लगाना तय है। इधर अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। बात करें मंदसौर के स्कूल की तो 213 स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक है। अक्टूबर माह शुरु हो चुका है। अभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का ही इंतजार है। इधर अतिशेष शिक्षकों की प्रक्रिया में 11 अक्टूबर तक आपत्तियां मांगी गई है। मतलब आपत्तियों की सुनवाई और परिणाम तक स्कूलों में होने वाली पढ़ाई की गंभीरता को समझा जा सकता है। इधर शिक्षक विहिन स्कूलों में विद्यार्थियों के प्रदर्शन का दौर जारी है। नाहरगढ़ के बाद शनिवार को धमनार में शासकीय उमावि की छात्राएं सड़क पर उतर गई। यहां उन्होंने धरना प्रदर्शन किया। बाद में अधिकारियों ने पहुंचकर समझाईश दी।

शिक्षकविहीन स्कूलों में प्रदर्शन का दौर जारी

लगभग आधा सत्र गुजरा...

अतिथि और अतिशेष की प्रक्रिया में प्रभावित हो रही सरकारी स्कूलों की पढ़ाई से सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर का पता लगाया जा सकता है। निजी स्कूलों में प्रवेश के पहले ही शिक्षकों की नियुक्ति संबंधित प्रक्रिया पूरी हो जाती है। इधर आधा कोर्स भी स्कूलों में लगभग पूरा होने को है। उलटा सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र शुरु होने के बाद शिक्षकों के संबंध में प्रक्रिया शुरु हुई जो अभी तक जारी है। इधर सरकारी स्कूलों में कोर्स की बात करें तो त्रैमासिक परीक्षा बिना पढ़ाई के विद्यार्थियों ने दी। इसके अलावा शिक्षकों के नहीं होने से कई विषयों की किताबें तक नहीं खुल पाई है।

सरकारी स्कूलों से मोहभंग...

सरकारी स्कूल छात्रों के संकट से गुजर रहे हैं। दरअसल, अभिभावकों का मोह सरकारी स्कूलों से टूटने लगा है। यही वजह है कि हजारों स्कूलों में एक भी दाखिला नहीं हुआ है। इस साल प्रदेश के 5,500 स्कूलों में कक्षा एक में कोई भी दाखिला नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक खराब बुनियादी ढांचा भी कम दाखिले की एक वजह है। इससे अभिभावकों का मोह सरकारी स्कूलों से भंग हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बैतूल, विदिशा, मंदसौर, देवास, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, सतना, सिवनी और खरगोन जैसे जिलों में शून्य दाखिले के मामले सबसे अधिक सामने आए हैं।

अतिशेष से संतुष्ट नहीं शिक्षक...

अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया से शिक्षक संतुष्ट नहीं हैं। वे कई स्तर पर गड़बड़ी की शिकायत कर चुके हैं। ऐसे हालात प्रदेश के कई जिलों में है। संचालक ने कहा है कि काउंसलिंग से पहले भी शिक्षकों की आपत्तियां सुनी गई हैं, फिर भी कुछ शिक्षक संतुष्ट नहीं हुए हैं और वे विभिन्न स्तर पर अपने अभ्यावेदन दे रहे हैं।

फिर दिया मौका...

अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया से नाराज शिक्षकों के दावे-आपत्ति स्कूल शिक्षा विभाग फिर से सुनेगा। शिक्षकों से 5 से 11 अक्टूबर तक अभ्यावेदन (आपत्ति) मांगी गई हैं। संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है, जो अभ्यावेदन का परीक्षण करेगी और संकुल प्राचार्य से दस्तावेज लेकर निर्णय लेगी। 14 से 18 अक्टूबर तक अभ्यावेदनों का निराकरण कर आदेश जारी किए जाएंगे। संचालक ने शिक्षकों से कहा है कि आप जो भी आपत्ति कर रहे हैं, उसके प्रमाण के साथ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अभ्यावेदन दें। यहां एक अधिकारी की इस कार्य के लिए ड्यूटी लगाई जाएगी।

गलत जानकारी देने पर कार्रवाई...

अभ्यावेदन पर सुनवाई के लिए शिक्षक को समिति के सामने बुलाया जाएगा। जहां उसे आपत्ति के समर्थन में तथ्य प्रस्तुत करने होंगे। किसी मामले में संकुल प्राचार्य गलत जानकारी देते हैं, तो उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। प्रदेश की बात करें तो काउंसिलिंग में अब तक 10015 प्राथमिक, 4136 माध्यमिक और 1191 उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों ने उपस्थित होकर नवीन पदस्थापना के लिए स्कूल का चयन किया है। इनमें से 15 हजार के पदस्थापना आदेश जारी किए गए हैं, जिनमें से 10 हजार ने चयनित स्कूलों में अपनी ऑनलाइन ज्वाइनिंग दे दी है।

फारुख नड्डा पर रासुका की कार्रवाई, सेंट्रल जैल इंदौर भेजा

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आदतन बदमाश फारुख उर्फ नड्डा पिता एहमद मथारिया उम्र 44 वर्ष निवासी मुल्तानपुरा के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1999 के तहत कार्यवाही की गई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी का मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के अन्य सरहदी जिलो मे काफी भय एवं आतंक व्याप्त है। यह शातिर बदमाश होकर अपने आतंक एवं भय से आम जन का रास्ता रोककर, अश्लील गाली गलौच कर मारपीट, जान से मारने की धमकी देना, प्राणघातक हमला, अवैध हथियार रखना, साथियो के साथ मिलकर बलवा करना, जुआं सट्टा , शासकिय कार्य मे बाधा, जिला बदर आदेश का उल्लंघन करना जैसे गंभीर अपराधो के अतिरिक्त अन्य अवैध कार्यो मे सक्रिय रूप से संलिप्त होकर पेशेवर बदमाश है। इसके खिलाफ वर्ष 2023-2024 मे जिला बदर की कार्रवाई भी की गई। इसके बाद भी अपराधिक गतिविधियों से इसका नाता नहीं छूटा। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनन्द के प्रतिवेदन पर जिला दण्डाधिकारी द्वारा अनावेदक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 के अधीन आदेश

जारी किया गया। जिसके परिपालन मे फारुख को जिला जैल मन्दसौर से सेंट्रल जैल इन्दौर भेजा गया है। बता दे कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 37 से अधिक अपराधिक मामले दर्ज है। जिसमें कुछ में दोषमुक्त तो कुछ में राजीनामा तो कुछ अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है।

गौवंश तस्कर बाबू न्यारगर गिरफ्तार...

पिपलिया मंडी पुलिस द्वारा आदतन गोवंश तस्कर बाबु पिता हनीफ न्यारगर उम्र 32 वर्ष निवासी बोतलगंज के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 के तहत कार्यवाही कर प्रतिवेदन पुलिस कप्तान मंदसौर के माध्यम से जिला दण्डाधिकारी श्रीमती अदिति गर्ग को प्रेषित किया गया था, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 के तहत निरोधात्मक आदेश पारित किया गया है। मामले में बाबू न्यारगर को गिरफ्तार किया जाकर अग्रिम कार्यवाही की जा रहीं है। पुलिस द्वारा बोतलगंज में निवासरत गोवंश तस्करी में संलिप्त आरोपियों के रिकॉर्ड को अद्यतन कर उनका डोजियर निर्मित किया है। जिसमें बाबु पिता हनीफ न्यारगर निवासी बोतलगंज पर कुल 13 अपराध पंजीबद्ध है। जिसमें से 10 अपराध गोवंश तस्करी से संबंधित है। जिसमें मंदसौर, रतलाम, नीमच एवं राजस्थान के थाना सारवाड जिला केकडी में गोवंश तस्करी के अपराध शामिल है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

नीमच, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के नयागांव चौराहे के पास एक महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद एम्बुलेंस की सहायता से महिला को बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां घायल महिला की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। अस्पताल में शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। वही पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल चौकी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका का नाम छगनी बाई उर्फ संगीता पिता कालू भील उम्र 45 साल बताया जा रहा है। मृतिका की शादी केसरपुरा हुई थी। जहां 2 साल पहले पति से तलाक हो गया। जिसके चलते महिला नयागांव में किराए के मकान में रहती थी। इसी दौरान देर शाम महिला किसी काम के लिए जा रही थी। तभी नयागांव चौराहे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला दुर्घटना का शिकार हो गई। उपचार के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद बड़े अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव मृतक महिला की भतीजी कन्या बाई पति अशोक के सुपुर्द किया गया। वही पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मटन की दुकानों को सील कर, दो दुकानदारों को भेजा जैल

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। खुले में अवैध चल रही मटन की दुकानों को सील कर दो दुकानदारों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जिन्हें तहसील न्यायालय ने जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार नारायणगढ़ में गुमटी रखकर अवैध अतिक्रमण कर खुले में मटन का विक्रय करने के मामले में फारुख पिता अब्दुल कुरेशी व जुबेर पिता सलीम कुरेश को पुलिस ने धारा 151 में गिरफ्तार किया, जिन्हें मल्हारगढ़ तहसील न्यायालय में पेश किया। तहसीलदार ब्रजेश मालवीय ने दोनों आरोपियों को जेल भेजने के आदेश दिए।

नहीं बनी डोडाचूरा निपटान नीति, तस्करी का दौर जारी

एमपी-राजस्थान के किसान हो रहे परेशान

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एमपी व राजस्थान में अफीम की खेती से निकलने वाले डोडाचूरा को लेकर सरकारे पिछले एक दशक से कोई स्पष्ट नीति नहीं बना पाई है। इससे एमपी के 26 हजार से अधिक व राजस्थान के अफीम किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। दूसरी और डोडाचूरा की तस्करी भी बढ़ रही है। बता दें कि वर्ष 2015 तक सरकार किसानों से 125 रुपए प्रति किलो की दर से डोडाचूरा खरीद रही थी। लेकिन, केंद्र सरकार ने यह खरीदी बंद कर दी। अब 30 हजार टन डोडा चूरा किसानों के पास पड़ा है, जिसे नष्टकरने का कोई तय नियम नहीं है। इससे किसानों को कानूनी कार्रवाई का डर रहता है। क्योंकि नारकोटिक्स और आबकारी विभाग के अधिकारी तस्करी के आरोप लगाकर उनसे रिश्वत मांगते हैं।

नीमच नारकोटिक्स विभाग (सीबीएन) के डिप्टी कमिश्नर संजय मीणा के अनुसार, डोडाचूरा नष्टकरवाना आबकारी विभाग की जिम्मेदारी है। इधर आबकारी विभाग का कहना है कि इसके लिए कोई स्पष्ट निर्देश नहीं मिले हैं।

भारतीय अफीम किसान विकास समिति के अध्यक्ष रामनारायण झाझरिया ने सरकार से 500 रुपए प्रति किलो की दर से डोडाचूरा खरीदने की मांग की है, ताकि किसान तस्करों के जाल में न फंसे। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि जब से खरीदी बंद है, कितना मादक पदार्थ जप्ती में आया है, इस बारे में विस्तृत जानकारी लेंगे। शासन स्तर पर विचार करेंगे।

ब्लैक मार्केट में 1500 रूपए किलो बिक रहा डोडा चूरा...

एक हजार वर्ग मीटर में अफीम की खेती का खर्च करीब 2 लाख रुपए आता है। जिसमें 6.50-8.50 किलो अफीम और 95-110 किलो डोडा चूरा मिलता है। ब्लैक मार्केट में डोडा चूरा की कीमत 1500 रुपए प्रति किलो तक होती है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बंद हुई खरीदी...

डोडा चूरा की खरीदी चंडीगढ़ के एनजीओ 'अराइव सेफ' की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बंद हुई थी। याचिका में कहा गया था कि डोडा चूरा के सेवन से सड़क हादसे बढ़ रहे हैं। इसके बाद कोर्ट ने इसे खेतों में नष्टकरने का निर्देश दिया था।

भीड़ से पिटाई खाने वाले किसान पर भी मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। लहसुन चोरी का आशंका में शुक्रवार को हुई किसानों की भीड़ द्वारा किसान की पिटाई के मामले में पुलिस ने पिटाई खाने वाले किसान के खिलाफ भी केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी में शुक्रवार को लहसुन चोरी की आशंका में बोतलगंज के किसान नरेन्द्र जैन के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने कोटा निवासी सत्यनारायण नागर, गणेश मालव व जितेन्द्र गुर्जर के खिलाफ केस दर्ज किया था। वहीं पुलिस थाने पर कोटा निवासी सत्यनारायण नागर ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई कि कृषि उपज मंडी में हमारे लहसुन के ढेर से बोतलगंज निवासी नरेन्द्र जैन ने लहसुन चोरी कर कट्टे में भर रहा था। रोकने की कौशिश की तो वह वहां से भाग निकला। जिसे पकडकर मंडी कार्यालय को सुपुर्द किया। किसान की रिपोर्ट पर पुलिस ने नरेन्द्र जैन के खिलाफ भी केस दर्ज किया।

टक्कर मारने के बाद ड्राइवर को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। ट्रक को आइशर ने टक्कर मार दी और ट्रक ड्राइवर के साथ मारपीट की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। नया छनेरा हरसूद निवासी जितेन्द्र पिता त्रिलोक मौर्य ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं ट्रक (एमपी 12 जेडडी 8575) से नीमच जा रहा था, इसी दौरान सूठोद के निकट आइशर (एमपी 12 जेडजी 2035) के ड्राइवर ने साइड से टक्कर मार दी, जिससे ट्रक को नुकसान हुआ। मैंने सही चलाने की बोला तो आइशर के ड्राइवर ने गाली-गलौज की व लात-घुसों से मारपीट की। जिससे आंख में गंभीर चोंट आई। पुलिस ने आइशर के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया।

एट लेन पर दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ थाना क्षेत्र के बेल्लारी गांव के पास 8 लेन एक्सप्रेस वे पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर पुल तोड़ते हुए पुलिया के बीच में फंस गया। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई, वहीं ड्राइवर का सहयोगी क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे मंदसौर के बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीतामऊ थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटना सुबह 7 बजे के आसपास की है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर बेल्लारी गांव के पास बने पुल को तोड़ते हुए सड़क और जमीन के बीच में झूल गया। इस घटना में ट्रक चालक आशु पिता इशाक खान उम्र 52 साल निवासी भरतपुर (राजस्थान) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, ट्रक क्लीनर मुकीम पिता उस्मान खान उम्र 22 साल निवासी भरतपुर (राजस्थान) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एंबुलेंस की सहायता से सीतामऊ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर मंदसौर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त ट्रक चालक को झपकी लग गई थी, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पुल के नीचे लटक गया।

मौसम में बदलाव-सुबह-शाम हवा में ठंडक घुलने के साथ ही मौसम में बदलाव महसूस होने लगा है। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव स्थित शिवना नदी के किनारे सुबह-सुबह कोहरा दिखने लगा है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी...

छह महीने में भी आदेश का पालन नहीं करा सकते, तो इस्तीफा दे दें अधिकारी

जबलपुर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल ने अवमानना प्रकरण पर सुनवाई करते हुए ओपन-कोर्ट में अपनी तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि प्रशासनिक अधिकारी छह माह में भी आदेश का पालन नहीं करा सकते तो पद से त्यागपत्र दे दें। कोर्ट ने यह कटाक्ष गृह विभाग के तत्कालीन एसीएस और वर्तमान में जीएडी के एसीएस संजय दुबे पर किया। साथ ही चेतावनी दी कि यदि 14 अक्टूबर तक आदेश का पालन सुनिश्चित नहीं किया गया तो अनावेदक अधिकारी अवमानना कार्रवाई के लिए तैयार रहें। यदि उन्हें आदेश अनुचित लगे तो अपील करने के लिए स्वतंत्र होंगे। मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को नियत की गई है।

ऑर्डर शीट अभी नहीं आई...

अवमानना याचिकाकर्ता पुलिस अधिकारी विजय पुंज की ओर से अधिवक्ता मनोज चंसोरिया ने पक्ष रखा। उन्होंने अवगत कराया कि फिलहाल इस मामले की ऑर्डर-शीट बाहर नहीं आई है। किंतु ओपन कोर्ट में जताई गई नाराजगी उल्लेखनीय है।

पदोन्नति का लिफाफा खोलकर लाभ प्रदान किया जाए...

कोर्ट ने मौखिक आदेश में साफ कर दिया है कि अवमानना याचिकाकर्ता की पदोन्नति का लिफाफा खोलकर लाभ प्रदान किया जाए। दरअसल, हाई कोर्ट ने मार्च में पुंज की याचिका पर सुनवाई करते हुए राहतकारी आदेश पारित किया था।

कैबिनेट से समन्वय नहीं बना पाए...

छह माह बीतने के बावजूद राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता यह तर्क दे रहे हैं कि मामले में कैबिनेट से समन्वय किया जाना है, इसलिए देरी हो रही है। इस दलील को गंभीरता से लेकर कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी कर दी कि ऐसे अधिकारी को इस्तीफा दे देना चाहिए जो छह माह बीतने के बावजूद कैबिनेट से समन्वय नहीं बना पाए हैं।

31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रहा याचिकाकर्ता...

अधिवक्ता मनोज चंसोरिया ने अवगत कराया कि अवमानना याचिकाकर्ता पुंज इसी वर्ष 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। लिहाजा, राज्य शासन के वकील की ओर से एक माह की मोहलत मांगना बेमानी है। यह सुनते ही कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता से पूछा आप कारण बताइए कि क्यों आपके अधिकारी सेवानिवृत्ति की कगार पर पहुंच चुके अवमानना याचिकाकर्ता के प्रकरण में लिफाफा खोलकर पदोन्नति का लाभ नहीं दे रहे हैं।

विचार-मंथन

इजरायल-ईरान हमले को लेकर दुनिया की नजर भारत पर

आखिरकार ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दाग कर उसे चुनौती दे दी। अभी तक हमास के विरुद्ध इजराइल की जंग को लेकर वह चुप्पी साधे हुए था। मगर जब इजराइल ने लेबनान पर हमला कर हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह और दूसरे नेताओं को मार गिराया तो इजराइल की चेतावनियों को धता बताते हुए ईरान ने उस पर जवाबी मिसाइलें दाग दीं। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि इस हमले से इजराइल में कितना नुकसान हुआ है, मगर इससे इजराइल के पक्ष और विपक्ष में दुनिया के बंट जाने और संघर्ष बढ़ने की आशंकाएं गहरा गई हैं। अमेरिका शुरू से इजराइल का समर्थन करता रहा है। ईरान के हमले के बाद उसने खुल कर कह दिया कि जब भी जरूरत पड़ेगी, उसकी सेनाएं इजराइल की मदद के लिए उतरने को तैयार हैं। कुछ दिनों पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने इजराइल को चेतावनी दी थी कि वह लेबनान पर हमले से बाज आए। बताया जा रहा है कि ईरान ने रूस से बातचीत के बाद ही इजराइल पर मिलसाइलें दागीं। इस तरह यह आशंका बढ़ गई है कि अगर इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ा, तो विश्वयुद्ध की स्थिति बन सकती है।दरअसल, यह संघर्ष फिलिस्तीन को लेकर शुरू हुआ था। लंबे समय से यह विवाद चला आ रहा है, मगर जब हमास के लड़ाकों ने इजराइल की सीमा में उतर कर हमले किए तो इजराइल ने उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इजराइल ने पहले ही फिलिस्तीन का लगभग सारा हिस्सा हथिया लिया था। अब उसने बचे हुए गाजा पट्टी पर भी हमले शुरू कर दिए और एक तरह से फिलिस्तीन का नामोनिशान मिटाने पर तुला है। हमास पर काबू पाने के बाद उसने लेबनान के हिजबुल्ला और यमन के हूती विद्रोहियों को नेस्तनाबूद करने की कोशिशें तेज कर दी।सब जानते हैं कि हमास, हिजबुल्लाह और हूती- तीनों संगठनों को ईरान ने पाला-पोसा है। इजराइल इन्हें आतंकी संगठन बताता है, जबकि ईरान उन्हें स्वतंत्रता सेनानी कहता है। जैसा कि इजराइल के रुख से जाहिर है, वह अपने विरुद्ध उठने वाले किसी भी कदम को सख्ती से कुचलने को प्रतिबद्ध है। इसकी खुली चेतावनी भी वह दे चुका है। कुछ दिनों पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान की जनता को सीधे संबोधित करते हुए वहां के शाह के खिलाफ उन्हें भड़काने की भी कोशिश की थी। अगर इजराइल और ईरान में संघर्ष बढ़ता है, तो इसके कई घातक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इन हालात में भारत संतुलन बनाकर चल रहा है। भारत के संबंध अमेरिका और इजराइल से बहुत अच्छे हैं, तो ईरान और रूस से भी रणनीतिक संबंध हैं। दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने इजराइल के प्रधानमंत्री से फोन पर बातचीत कर पश्चिम एशिया में शांति बहाली और बंधकों की सुरक्षित रिहाई की अपील की थी। मगर ईरान के हमले के बाद स्थिति बदल गई है। हालांकि ऐसी स्थितियों में दुनिया की नजर भारत पर बनी रहती है और उम्मीद की जाती है कि वह मध्यस्थता कर युद्धविराम का रास्ता तैयार कर सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए भारत लगातार प्रयास करता भी रहा है। मगर इजराइल के मामले में यह काम थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो गया है। इजराइल अपनी जिद पर अड़ा हुआ है और अब ईरान ने उसे चुनौती दे दी है। इस संघर्ष को और बढ़ने से रोकने का रास्ता फिलहाल इजराइल और अमेरिका को ही निकालना है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के विरुद्ध कानून को और कड़ा किया जाना चाहिए

ऋत्विका शर्मा

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर अंकुश लगाने वाले कानून के लिए एक व्यापक जाल बिछाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में माना है कि इस तरह की पोर्नोग्राफिक कंटेंट को देखना, रखना और रिपोर्ट न करना भी यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोक्सो अधिनियम) के तहत दंडनीय है, भले ही इसे शेयर किया जाए या आगे प्रसारित किया जाए. यह निर्णय भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की खंडपीठ ने दिया था. इस मामले पर मद्रास हाई कोर्ट के एक फैसले को दरकिनार करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के स्टोरेज के अपराध की सख्त व्याख्या की. जनवरी 2024 के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले में कहा गया था कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी का मात्र स्टोरेज पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध नहीं है. इस फैसले के खिलाफ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस नामक एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसने अंततः इस मामले को अपना नाम भी दिया - जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस बनाम एस हरीश. यह फैसला एक बड़ी सफलता साबित हो सकता है, खासकर न केवल बच्चों से जुड़े अश्लील कंटेंट के प्रचलन पर अंकुश लगाने में, बल्कि लोगों इसके उपभोग पर भी. इस निर्णय के केंद्र में पोक्सो अधिनियम के दो प्रावधान हैं- धारा 14 और 15. धारा 14 के अनुसार किसी बच्चे या बच्चों का पोर्नोग्राफिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करना पांच साल तक की कैद और जुर्माने से दंडित किया जाता है. दूसरी या बाद की सजा के लिए सात साल तक की कैद हो सकती है. पोक्सो अधिनियम की धारा 15 को तीन उप-धाराओं में विभाजित किया गया है - धारा 15 (1) में बच्चे से जुड़ी पोर्नोग्राफिक कंटेंट के स्टोरेज या कब्जे के लिए सजा का प्रावधान है - कोई भी व्यक्ति जो चाइल्ड पोर्नोग्राफी को शेयर या प्रसारित करने के इरादे से उसे नष्ट, नष्ट या निर्दिष्ट प्राधिकारी को रिपोर्ट करने में विफल रहता है, उसे कम से कम 5000 रुपये का जुर्माना देना होगा, जो दूसरी बाद की सजा पर 10000 हजार रुपये तक हो सकता है. धारा 15(2) के तहत रिपोर्टिंग के उद्देश्य या अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल के अलावा किसी बच्चे से जुड़े पोर्नोग्राफिक कंटेंट का प्रसारण, प्रचार, वितरण या प्रदर्शन करना कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडनीय है. धारा 15(3) व्यावसायिक इरादे से बाल पोर्नोग्राफिक कंटेंट के भंडारण या कब्जे को प्रतिबंधित करती है और दंडित करती है. इससे पहले विभिन्न उच्च न्यायालयों ने माना था कि धारा 15 के तहत अपराध के लिए ऐसे कंटेंट को वितरित करने या व्यावसायिक रूप से उपयोग करने का इरादा महत्वपूर्ण था. वास्तव में मद्रास उच्च न्यायालय के जिस फैसले के खिलाफ अपील की गई थी, उसने एक आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को इस आधार पर रद्द कर दिया था कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना या देखना अपने आप में पोक्सो के तहत दंडनीय नहीं है. न्यायमूर्ति पारदीवाला ने स्पष्ट किया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफिक कंटेंट के स्टोरेज को लेकर धारा 15 में तीन अलग-अलग अपराधों के लिए प्रावधान हैं. धारा 15(1) के तहत विशेष रूप से पोर्नोग्राफिक कंटेंट को अपने पास रखने के कृत्य से मानसिक इरादे का पता लगाया जाना चाहिए, लेकिन इसकी रिपोर्ट नहीं की जानी चाहिए. कंटेंट को अपने पास रखने का कृत्य को जब तक कि आरोपी द्वारा नष्ट या रिपोर्ट नहीं किया जाता, धारा 15(1) के तहत अपराध माना जाता है. सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा 67बी के संबंध में भी एक प्रासंगिक स्पष्टीकरण दिया, जो बच्चों को यौन रूप से स्पष्ट कृत्य में चित्रित करने वाले कंटेंट के इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रकाशन या प्रसारण को दंडित करता है. कोर्ट ने फैसला सुनाया कि धारा 67बी न केवल बाल पोर्नोग्राफिक कंटेंट के इलेक्ट्रॉनिक प्रसार को दंडित करती है, बल्कि ऐसा कंटेंट के निर्माण, कब्जे, प्रचार और उपभोग को भी दंडित करती है. सोशल मीडिया के दायित्व और सबूत का बोझ सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के प्रसार में सोशल मीडिया बिचौलियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया. आईटी अधिनियम, 2000 और पोक्सो अधिनियम जैसे विभिन्न कानूनों के तहत ऐसे कंटेंट के पब्लिकेशन और प्रसार की रिपोर्ट करने के उनके दायित्व को रेखांकित किया गया है. प्रासंगिक रूप से सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुरक्षित बंदरगाह प्रावधान, जो बिचौलियों को किसी भी तीसरे पक्ष की सूचना, डेटा या कम्युनिकेशन लिंक के लिए देयता से बचाता है जो मध्यस्थ पर उपलब्ध या होस्ट किया गया है, चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर लागू नहीं होता है. पोक्सो अधिनियम के तहत अपराधों में सबूत के बोझ पर भी स्पष्टीकरण दिया गया. पोक्सो अधिनियम की धारा 30 में कहा गया है कि अधिनियम के तहत किसी भी अपराध के लिए, विशेष न्यायालय यह मान लेगा कि आरोपी की मानसिक स्थिति दोषपूर्ण थी. अगर पहली नजर में, आरोपी के खिलाफ कुछ आधारभूत तथ्य स्थापित हो जाते हैं, तो अब यह साबित करने का दायित्व आरोपी पर है कि वे दोषी नहीं थे. उदाहरण के लिए, न्यायालय ने कहा कि धारा 15(1) के तहत अपराध के लिए अभियोजन पक्ष को केवल यह आधारभूत तथ्य दिखाना चाहिए कि आरोपी के पास चाइल्ड पोर्नोग्राफी थी, और उसने इसे हटाने या इसकी रिपोर्ट करने के लिए कोई सक्रिय कदम नहीं उठाया. यह साबित करने का दायित्व आरोपी पर है कि वे निर्दोष थे, और उन्हें धारा 15(1) के दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए. दिलचस्प बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द के इस्तेमाल के प्रति आशंका व्यक्त की, इसे एक गलत नाम बताते हुए कहा कि यह अपराध की पूरी सीमा को समझने में अपर्याप्त है. कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी में बच्चे का वास्तविक शोषण शामिल है. चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द का इस्तेमाल संभावित रूप से अपराध को महत्वहीन बना सकता है, क्योंकि पोर्नोग्राफी को अक्सर वयस्कों के बीच सहमति से किया गया कार्य माना जाता है. इसे रोकने के लिए, कोर्ट ने बाल यौन शोषण और सीएसईएएम शब्द गढ़ा, ताकि सटीक रूप से यह दर्शाया जा सके कि पोर्नोग्राफिक कंटेंट घटनाओं का रिकॉर्ड है, जहां किसी बच्चे का या तो यौन शोषण और दुर्व्यवहार किया गया है।

'शब्दों' से होती है हमारी पहचान...

रेखा शाह आरबी

जीवन बहुत सुंदर है और इसकी सुंदरता का आकलन हम धरती पर मिले केवल भौतिक वस्तुओं और सुख-सुविधा से नहीं कर सकते हैं। हमारे सुख का आधार भौतिक वस्तुओं के अलावा और भी बहुत-सी चीजें हैं। पेड़, पहाड़, आकाश, धरती, नदियां, झील, तारे- ये सब सुंदर हैं। इनकी सुंदरता हमारे मन में सुंदर भाव जगाती है। इसी तरह शब्द भी सुंदर होते हैं। किसी के मीठे शब्दों के माधुर्य और उसे सुनने या पढ़ने के बाद मिलने वाले सुख से ज्यादा कुछ भी सुंदर नहीं है। उसमें बहती मीठी रस-सरिता से ज्यादा किसी वस्तु में माधुर्य रस नहीं है। ऐसी सरिता जिस भी कान तक पहुंचती है, वहां प्रेम, लगाव की चाशनी घोल देती है। मन के भीतर तक आह्लादित कर देती है। रिश्तों को प्रेम के मीठे बंधन में बांध देती है। मीठे शब्द मनुष्य के मन पर चमत्कारी प्रभाव उत्पन्न करते हैं और बोलने वाले के प्रति एक विशेष अनुराग उत्पन्न करते हैं। शब्द मीठे और कड़वे, दोनों होते हैं। मीठे शब्द मनुष्य को मनुष्य का हितैषी बनाते हैं, तो कड़वे शब्द मनुष्य को मनुष्य का शत्रु भी बना देते हैं। शब्दों के इतने प्रभाव हैं तो यह जरूरी हो जाता है कि जब भी किसी से हम बातचीत करें तो हमारे शब्द मर्यादित और मीठे रहें, क्योंकि हमारे शब्द हमारे संस्कार, हमारे परिवेश, हमारे रहन-सहन आदि बहुत सारी चीजों को दर्शाते हैं। हम सब किसी की भाषा देखकर आसानी से यह अंदाजा लगा लेते हैं कि यह व्यक्ति किस परिवेश से आया है। इसके ज्ञान का स्तर क्या है, इसकी संगति कैसी है और इसके संस्कार कैसे हैं। हमारे शब्द किसी व्यक्ति पर क्या प्रभाव उत्पन्न करेंगे, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम कैसे और किस प्रकार शब्दों का संयोजन करते हैं। और यह सब मनुष्य की बुद्धि और विवेक पर निर्भर करता है कि वह शब्द का संयोजन किस प्रकार करता है। शब्दों के प्रभाव इस बात पर भी निर्भर रहते हैं कि शब्दों का संयोजन करते समय हमारे खुद के मन में कौन-से भाव रहते हैं, कितना हमारे अंदर प्रेम, घृणा, वात्सल्य, छल, कपट या माधुर्य था। शब्द तो स्वयं में जड़ है लेकिन हम अपने भाव और शब्द संयोजन द्वारा ही उसमें चेतना भरते प्राण फूंकते हैं। इसके बाद उनकी यात्राएं आरंभ होती हैं। फिर हमारे शब्द हमसे होते हुए दूसरे, तीसरे, चौथे तक हमसे भी ज्यादा तीव्र गति से यात्रा करने की क्षमता रखते हैं। जिस-जिस व्यक्ति तक हमारे शब्द पहुंचते हैं, वह व्यक्ति हमारे शब्दों के आधार पर ही हमारे व्यक्तित्व का अपने मन में एक छवि तैयार कर लेता है। यानी हमारे शब्द हमारे पूरे व्यक्तित्व के परिचायक बन जाते हैं। कोई भी शब्द जब एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक की यात्रा करता है, तो वह खाली हाथ नहीं जाता है। कुछ भाव और भावनाएं, संवेदना लेकर यात्रा करता है। अब वह कठोर है या मधुर है, श्रवणीय है या अश्रवणीय है, हम शब्दों के पीठ पर कौन-सी भावनाएं सवार करके भेज रहे हैं, यह सब हमारी मानसिक सुंदरता पर निर्भर करता है। प्रयास रहना चाहिए कि शब्दों के साथ सुंदर और मृदु भावनाएं ही यात्रा करें, क्योंकि कहा जाता है कि अस्त्रों के बल पर कुछ लोगों पर प्रभाव जमाया जा सकता है, लेकिन अपने मृदु शब्दों के बल पर पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव जमाया जा सकता है। इसलिए जब कहीं भी हम अपने शब्द भेज रहे हों, तो इस बात का विशेष खयाल रखना चाहिए कि शब्द जब अपने गंतव्य तक पहुंचें तो उन शब्दों को पाने वाले को वह शब्द अपरिचित और अवांछित न लगे, बल्कि पाने वाले के मन को प्रफुल्लित करे, प्रेम और उल्लास उत्पन्न करे। जब शब्द अपने गंतव्य पर पहुंचे तो वहां पर उसको यथोचित आदर और सत्कार मिले। शब्द को गंतव्य पर आदर सत्कार मिलना दरअसल, भेजने वाले की नीयत और उसकी मनोदशा पर निर्भर करता है, क्योंकि भेजते समय जैसी मन में भावना होगी, वैसे ही शब्द संयोजना होगी। फिर उसी तरह गंतव्य पर शब्दों को नियति प्राप्त होगी। क्या यह रुचिकर लगेगा कि कहीं की यात्रा करें और गंतव्य पर निरादर और अपमान का सामना करना पड़े? ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं चाहेगा कि उसको अपमान और अनादर का सामना करना पड़े। शब्द भी बिल्कुल यही चाहते हैं कि वे जहां भी जाएं, उन्हें सम्मान मिले। मगर इसके लिए भेजने वाले की सुंदर, कोमल भावनाओं का रहना नितांत जरूरी है। भाषा और शब्द कई बार दवा और जहर दोनों प्रभाव भी आत्मसात करके चलते हैं, जो देह की मृत्यु के भले ही कारण न बने, लेकिन संबंधों की मृत्यु के कारण जरूर बन जाते हैं। इसीलिए शब्दों का चुनाव और संयोजन करते हुए बेहद सोच-समझकर अपनी विद्वता का इस्तेमाल करना चाहिए। शब्दों के साथ-साथ एक तरह से भेजने वाला भी उन शब्दों के साथ यात्रा करता है।

कहीं आपके बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा वक्त तो नहीं बिता रहे

पिछले दिनों स्वीडन के समाज कल्याण व जन-स्वास्थ्य से जुड़े मंत्री ने कहा कि दो वर्ष तक के बच्चों को किसी भी तरह के डिजिटल उपकरण का उपयोग नहीं करने देना चाहिए, क्योंकि माता-पिता, बाल-रोग विशेषज्ञ और सरकार इस तकनीकी माहौल से कैसे निपटा जाए, इसकी कोशिशों में जुटे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि हमें चीजों को फिर से अपने नियंत्रण में लेना होगा। बचपन को नए सिरे से परिभाषित करना होगा और बच्चों को उनका बचपन वापस लौटाना होगा। उनकी मासूमियत बचाने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का सही विकास हो, यह भी आवश्यक है। स्वीडन ने 'स्क्रीन टाइम' के बारे में जो अपनी रिपोर्ट जारी की है, उसकी प्रमुख बातें हैं- दो साल तक के बच्चों को स्क्रीन से बिल्कुल दूर रखा जाए। दो से पांच साल तक के बच्चे एक घंटे, छह से बारह साल के बच्चे दो घंटे और किशोर तीन घंटे से ज्यादा वक्त स्क्रीन पर न बिताएं। सोते वक्त या शयन कक्ष में मोबाइल या किसी किस्म की स्क्रीन का प्रयोग बिल्कुल वर्जित किया जाए। जाहिर है, माता-पिता और अभिभावकों को खास ध्यान देना होगा कि उनके बच्चे कम से कम समय किसी स्क्रीन पर बिताएं। इसके लिए वे अपने बच्चों से ज्यादा बातचीत करें, उन्हें अधिक समय दें। यही नहीं, उनका बच्चा कितना समय स्क्रीन पर बिता रहा है, इस पर नजर जरूर रखें। अमेरिका और आयरलैंड के बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक बच्चा डेढ़ साल का न हो जाए, तब तक उसे मोबाइल या किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रखा जाना चाहिए। फ्रांस में तो इससे भी आगे की बात कही गई कि तीन साल से पहले बच्चों के हाथों में मोबाइल नहीं थमाना चाहिए और किसी भी तरह की स्क्रीन से उन्हें दूर रखना चाहिए। इसमें टेलीविजन स्क्रीन भी शामिल है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि जो बच्चे अभी बोलना, चलना सीख रहे हैं, उनका किसी भी तरह की स्क्रीन पर समय बिताना उन्हें कुछ नहीं सिखाता। एक सर्वे में यह भी पाया गया था कि जो बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं, वे देर से बोलना सीखते हैं। भारत में भी कोई अच्छी स्थिति नहीं है। यहां भी बच्चे समझते हैं कि लोगों से दूरी और फोन से नजदीकी बहुत अच्छी बात है। विशेषज्ञ लगातार कह रहे हैं कि बच्चों को तकनीक से दोस्ती के मुकाबले इंसान से दोस्ती सिखानी चाहिए। पिछले दिनों डेढ़ लाख लोगों पर किए गए एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य कमजोर होता जा रहा है। हमारे बच्चों और युवाओं में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, यह भी देखने में आया है कि बच्चे और किशोर स्क्रीन टाइम के दौरान कुछ न कुछ खाते रहते हैं। अक्सर वे अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड, जिसको जंक फूड कहा जा सकता है, ही खाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थापित कर चुके हैं कि इनका अधिक उपयोग सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। जाहिर है, इससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ते हैं, क्योंकि दोनों का आपस में गहरा संबंध है। स्क्रीन टाइम में बढ़ोतरी के कारण बच्चे अब परिवार वालों से कम बातचीत करते हैं, दोस्तों से मिलते-जुलते नहीं, उनके बीच आपसी संवाद लगातार कम होता जा रहा है। वे बाहर खेलना भी पसंद नहीं करते। इससे सामाजीकरण की प्रक्रिया से वे लगातार बाहर होते जा रहे हैं और अलग-थलग पड़ रहे हैं। यह अकेलापन उनके विकास और भविष्य के लिहाज से बेहद घातक है। इस स्थिति के लिए सिर्फ तकनीक या बच्चों-किशोरों को दोष देना ठीक नहीं है। सच तो यह है कि बहुत हद तक माता-पिता इसके लिए जिम्मेदार हैं। वे अक्सर बच्चों की जिज्ञासा से बचने के लिए उनके हाथ में बचपन से ही मोबाइल पकड़ा देते हैं।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5378

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5377

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 5378

संकेत: बाएं से दाएं

1. अफ्रीका का वह देश एक प्रजातंत्र राज्य है जिसे 1 जुलाई 1960 को गणराज्य घोषित किया गया (2)
3. जम्मू-कश्मीर में 4054 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिंदुओं का तीर्थ स्थान (5)
7. [illegible] (2)
8. सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
9. मन की कल्पना, विचार, ख्याल (3)
10. पुराणानुसार एक दैत्य का नाम जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में मारा था, काला नामक पक्षी (2)
11. [illegible] (2)
13. [illegible] (3)
14. सिख संप्रदाय के आदि गुरु (3)
16. लहर, उमंग, तरंग, झूमने का भाव (3)
17. उत्पात, उपद्रव, खलबली (4)
18. इंसाफ, फैसला (2)
21. मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध रेलवे जंक्शन, प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार की अभिनेत्री बेटी (2)
23. चाकू (4)
24. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण यमुना नदी का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे (2)

1. हमला करने का अवसर देखना (5)
2. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
3. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
4. एकता, मिलाप (3)
5. अत्यंत महीन कण, सूजी (2)
6. हाथ से धीरे-धीरे ठोकना (4)
10. दूल्हा-दुल्हन को यह भी कहा जाता है (4)
12. शिकायतपूर्ण बात, भर्त्सना, धिक्कार (3)
13. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
15. शास्त्रीय संगीत में एक ताल (4)
16. [illegible] (3)
19. हजरत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
20. स्वयं, स्वतः, खुद (2)
22. किसी नगर या कस्बे में प्रवेश द्वार (2)

वर्ग पहेली 5377 का हल

उ	त्त	र	प्र	दे	श		मा
प		म	[illegible]		म	द	न
[illegible]		क		द	शा		र
[illegible]	मु	ना		त	द	ना	
न			[illegible]		बे	टा	
[illegible]	ता	न		[illegible]	ग		य
ख्वा		[illegible]	र	ह	म		हू
र	ह	न		ना		भा	[illegible]

श्री अग्रसेनजी जयंती महोत्सव का समापन, प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटे

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक अग्रवाल समाज देशी पंचायत मंदसौर के द्वारा पांच दिवसीय महाराजा अग्रसेनजी जयंती महोत्सव का आयोजन नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन में किया जा रहा है। इस महोत्सव का कल भव्य समारोह में समापन हुआ। चल समारोह के उपरांत महोत्सव के पंचम दिवस एवं समापन अवसर पर चतुर्थ दिवस आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए समाजसेवी के द्वारा महाराज अग्रसेनजी के चित्र की महाआरती की गई। इस कार्यक्रम में बडी संख्या में माता बहनों ने भी अग्रसेनजी महाराज की आरती का धर्मलाभ प्राप्त किया। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्री हंसराज अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार महावीरप्रकाश अग्रवाल, युवा नेता गौरव अग्रवाल, समाज के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल पत्रकार, समाजसेवी अनिल अग्रवाल गार्लिक, विकास अग्रवाल सीए, ओमप्रकाश मित्तल आरटीओ, सुभाष गुप्ता, महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती बीना गर्ग, शिक्षाविद् श्रीमती चंचल मित्तल, रचना गर्ग, पलक अग्रवाल, समाजसेवी रितेश गर्ग, राजेन्द्र मोहनलाल गोयल मावा वाला भी मंचासीन थे। इन सभी अतिथिगणों के द्वारा चतुर्थ दिवस रामायण की थीम पर प्रस्तुति देने वाले अग्रभक्ति ग्रुप के सदस्यों व खुशियों के रंग रस्मों के संग की थीम पर समूह नृत्य की प्रस्तुति देने वाली युवतियों व महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष श्री आशीष गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि पांच दिवसीय महोत्सव का काजो आयोजन सफल रहा उसमें समाज के सभी वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन व युवाजनों का परिश्रम सबसे महत्वपूर्ण है। समाजजनों ने मुझे दूसरी बार समाज अध्यक्ष बनने का अवसर दिया उसके लिये मैं आप सभी का आभारी हूँ और अपेक्षा करता हूँ कि आगामी कार्यक्रमों में इसी प्रकार सहयोग मिलता रहेगा।

अग्रवाल समाज के वरिष्ठ हंसराज अग्रवाल कबाडी ने कहा कि अग्रवाल समाज सभी क्षेत्रों में अअग्रणी रहने वाला समाज है। समाज ने अपने परिश्रम से यह मुकाम पाया है। वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। अग्रसेनजी महाराज पर कृष्ण का पूरा आशीर्वाद था। उन्होंने महाभारत

के युद्ध में भी भाग लिया था। एक दूसरे के सहयोग करने की प्रेरणा हमें उन्हीं से मिलती है। समाज के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज ने अपने गौरव के अनुरूप पूरे मंदसौर जिले में अग्रणी रहकर विकास में योगदान दिया है। युवा नेता गौरव अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज देश को दिशा देने वाला समाज है। हमें सनातन धर्म व संस्कृति के संरक्षण के लिये भी आगे आना होगा। समाजसेवी सुभाष गुप्ता, विकास अग्रवाल सीए, अनिल मित्तल गार्लिक, शिक्षाविद चंचल मित्तल, महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष बीना बगर्ग, समाजसेवीका रचना गर्ग, पलक अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे। अतिथियों का स्वागत स्वागत समाज अध्यक्ष आशीष गुप्ता, महासचिव ओम अग्रवाल सर, महामंत्री हेमन्त अग्रवाल, महिला मण्डल अध्यक्ष शशि अग्रवाल, महासचिव रानी सिंहल, श्वेता अग्रवाल, गर्ल्स क्लब अध्यक्ष आर्शी संजय गोयल, महासचिव खुशी गोयल, नवयुवक मण्डल अध्यक्ष गौरव मित्तल, उपाध्यक्ष यश मित्तल, यश गर्ग, रोहित अग्रवाल सचिव अंशुल अग्रवाल, सहसचिव तरूण अग्रवाल, सांस्कृतिक सचिव सुनील मित्तल, खेल सचिव विनय गुप्ता, प्रवक्ता आयुष अग्रवाल, मोहित गर्ग, परामर्शदाता गौरव अग्रवाल, हार्दिक गर्ग, ऋषि मित्तल, सोम्य गर्ग, अंकुर गुप्ता, दीपक कागला, विनोद कागला, सुभाष गर्ग, प्रीतेश गर्ग, किरणमल गर्ग आरके, नरेन्द्र गर्ग, गोविन्द अग्रवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, संजय अग्रवाल आरके, अरविन्द कागला, अशोक जिंदल, अनिल सिंहल, अंकित गर्ग, राजेश मित्तल, संतोष गोयल, हेमन्त अग्रवाल, गोविन्द मामाजी, जगदीश गर्ग, विमल अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, जम्बु अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल कयामपुर, राधेश्याम अग्रवाल, सुभाष गुप्ता, ब्रज कबाडी, राजेन्द्र मित्तल, निखिल सिंघानिया, राजेश मित्तल, राशि अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, रानी सिंहल, गौरव मित्तल, अंशुल कबाडी, आर्शी संजय गोयल, खुशी गोयल आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत अग्रवाल सर ने किया।

परामर्शदात्री टीना सोनी ने बताए नशे के दुष्प्रभाव

सुवासरा, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आप अक्सर ही ऐसी कहानियां सुनते होंगे कि उस आदमी के नशे की लत ने उसके पूरे परिवार को तहस-नहस कर दिया। कभी कभी ऐसी खबरें पढ़ते या सुनते होंगे कि कच्ची शराब ने ली लोगों की जान। यह भी सुना होगा कि वो तंबाकू- गुटखा खाता था उसे कैंसर हो गया। नशे की ये लत कितनी खतरनाक है। यह चर्चा परामर्शदात्री टीना सोनी ने शासकीय हाई स्कूल घसोई के बच्चों की गई।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयोजित परामर्श सत्र के दौरान उन्होंने बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि नशा हमारी जीवन शैली को बर्बाद कर देता है। वह हमारे शरीर को बीमारियां तो देते ही है, बल्कि मानसिक स्थिति को भी खराब कर देते है। उन्होंने बच्चों को तंबाकू सेवन के खतरनाक परिणामों के बारे अनेकों उदाहरणों के माध्यम से समझाते हुए कहा कि मैंने नशे के अनेकों दुष्परिणाम बताए क्या आप में से कोई एक इसका लाभ बता सकता है। शुरुआत में हम शौकिया तौर पर नशा करते है, लेकिन वही बाद में जब आदत बन जाता है तो उसे छोड़ना कठिन हो जाता है। इसलिए हमें कभी भी बीड़ी, तंबाकू, सिगरेट, गुटखा या अन्य नशीली चीजों का स्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर हमारा कोई साथी भी इनका उपयोग करता हो तो हमें उसको भी समझाने का प्रयास करना चाहिए। अगर वो हमारी बातों को न सुने तो हमें उससे दूरी बना लेना चाहिए।

किशोरों को व्यसनों से दूर रखने के टिप्स–अच्छे लोगों के साथ रहें, खेलों से जुड़ें, पढ़ाई पर ध्यान दें। खाली समय में दोस्तों या परिवार के साथ बैठे तो सामाजिक बुराइयों से दूर रहने या कोई ज्ञान वर्धक विषयों पर चर्चा करें। संगत का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने किशोरों को प्रोत्साहित करते हुए जीवनभर नशे से दूर रहने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। जिस पर वहां मौजूद सभी छात्र- छात्राओं ने शिक्षकों की मौजूदगी में आजीबन नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

नशा मौत को आमंत्रण देता है–कार्यक्रम में मेडिकल ऑफिसर डॉ स्नेहिल जैन ने कहा कि नशे की लत इतनी ज्यादा खतरनाक है कि कई बार लोग इसके अति सेवन से और न मिलने पर आत्महत्या तक कर लेते हैं। तंबाकू गुटखा, बीड़ी- सिगरेट के सेवन से कैंसर, टीबी, किडनी की बीमारी जैसे गंभीर रोग हो जाते है। साथ ही अनिद्रा- तनाव, बेचैनी, चिड़चिड़ापन जैसी अनेकों लक्षण दिखाई देने लगते है जो बाद में अनेकों बीमारियों को जन्म देते है। कार्यक्रम में पटवारी सुमेंर सिंह देवड़ा शाला स्टॉफ रामचंद्र बोराना, शांति शर्मा, अनिल कुमार डपकरा, लक्ष्मण सिंह सिसोदिया, बने सिंह परिहार, महावीर जंगम एवं दिनेश बागडी उपस्थित रहे।

सीएम राईज स्कूल में लैंगिक समानता पर प्रतियोगिता सम्पन्न

मनासा, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरूध्द हो रहे अपराधों एवं घरेलु हिंसा के रोकथाम तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जागरूक करने हेतु विशेष अभियान 'अभिमन्यु' दिनांक 03.10.2024 से 12.10.2024 तक संचालित किया जा रहा है जिसके तहत अधिक से अधिक कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक नीमच श्री अंकित जायसवाल द्वारा सभी थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया था जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच, श्री नवलसिंह सिसोदिया व एसडीओपी महोदय मनासा श्री विमलेश उईके के उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा सुश्री वैशाली सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनासा निरीक्षक श्री एस के यादव के नेतृत्व में थाना मनासा पुलिस द्वारा सीएम राईज स्कुल मनासा में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 05.10.2024 को सीएम राईज स्कुल मनासा में अभियान 'अभिमन्यु' के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं के विरूध्द हो रहे अपराधों एवं घरेलु हिंसा के रोकथाम तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चित्रकला प्रदर्शनी, कहानी लेखन व लेंगिक समानता विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कुल के बचो द्वारा भाग लेकर रंगीन चित्रकला प्रतियोगिता में जागरूकता संदेश देने सहित विभीन्न बुराईयो को लेकर चित्रो का प्रदर्शन किया गया जिसमें जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समाज में व्याप्त बुराईयों एवं महिलाओ व बचो पर हो रहे अत्याचार व अपराधों को लेकर छात्र/छात्राओं से संवाद किया गया तथा समाज में व्याप्त नशे व नशे से होने वाले दुष्प्रभाव को लेकर छात्र/छात्राओं को जानकारीयां दी गयी। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तृतीय भूमि पिता दिलीप बोराना आने वाले छात्राओं को दिनांक 12.10.2024 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच द्वारा सम्मानीत किया जावेगा। कार्यकम के दोरान सीएम राईज स्कुल प्राचार्य श्री बंशीलाल जी बसेर, रोहित मदले व अन्य स्कुल स्टाफ व स्कुल के बालक बालिका उपस्थित रहे। सराहनीय कार्य उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी मनासा व उनकी टीम उनि पुष्पा राठोर, महिला आरक्षक सपना शक्तावत का सराहनीय कार्य रहा।

प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना प्रशिक्षण केन्द्र पर विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में 05 अक्टूबर, 2024 को, मेवाड़ आर्थोपेडिक अस्पताल के उपरी तल पर संचालित प्रधान मंत्री विश्वकर्मा प्रशिक्षण केन्द्र में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के तत्वाधान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुये जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने एन.डी.पी.एस. एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट व लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने नि:शुल्क विधिक सहायता कैसे और कौन प्राप्त कर सकता है, इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर में उक्त प्रशिक्षण केन्द्र के संचालक श्री विजय शर्मा सहित अन्य स्टॉफ एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थीगण उपस्थित रहे।

पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

मनासा, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा में मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर, रंगोली प्रतियोगिता एवं अपनों के नाम पाती का आयोजन किया गया पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता एनएसएस प्रभारी प्रो. आशा पटेल की देखरेख में किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभा का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता के दौरान रंगोली व पोस्टर से नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के चित्र प्रदर्शित किए गए इनका अंकन निर्णायक मंडल डॉ प्रेरणा शर्मा डॉ सपना मीणा श्रीमती मदुलता सिकरवार श्रीमती रंजना तंवर ,डॉ मुकेश मालवीय, देवीलाल सुतार द्वारा किया गया।

इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम एल धाकड़ ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और साथ ही कहा की छात्रों को इस तरह की प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेना चाहिए जिससे कि उनके अंदर छिपी प्रतिभा बाहर निकल कर आती है साथ ही आगे का मार्ग प्रशस्त होता है।अपनों के नाम पाती का आयोजन प्रो पंकज चौहान के द्वारा किया गया इसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा नशा मुक्ति से संबंधित अपने प्रियजनों के लिए संदेश दिया और नशा छोड़ने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया। नशा मुक्ति सप्ताह का आयोजन 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2024 किया जा रहा है कार्यक्रम में प्रो. पंकज रसानिया, प्रो सुमित मेडा, सुशील मेईडा सुदेश कलम, डॉ आमोद शर्मा, एवं प्रदीप अहिरवार सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन डॉ जितेंद्र आरोलिया के संयोजन में किया जा रहा है।

कांउसलिंग का आनलाईन रजिस्ट्रेशन 8 तक

मनासा, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्राचार्य ने बताया कि कार्यालय अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, आयुक्तब तकनीकी शिक्षा संचालनालय भोपाल व्दारा पोलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु संस्था स्तर की कांउसलिंग (सीएलसी) की आनलाईन रजिस्ट्रेशन कराने की तिथि 8 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है। संस्था में उपस्थित होकर 7 अक्टूबर को प्रवेश प्राप्त कर सकते है एवं रिक्त सीटे रहने पर 8 अक्टूबर 2024 को भी प्रवेश दिया जावेगा। इस प्रक्रिया के अंतर्गत शा. पोलीटेकनिक महाविद्यालय मन्दसौर में संचालित कम्प्युटर साईस इंजी., इलेक्ट्रोनिक्स एण्डटेलीकम्प्युनिकेशन इंजी., मैकेनिकल इंजी., एवं इलेक्ट्रिकल इंजी. ब्रांच में 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर संस्था में रिक्त सीटों पर प्रवेश दिये जावेगें। अत: इच्छुक विद्यार्थी समस्त मूल दस्तावेज के साथ उनकी दो फोटो प्रतिलिपि, पासपोर्ट साईज फोटो व निर्धारित फीस के साथ उपस्थित हो।

अष्टम चुनर यात्रा कुकड़ेश्वर से भादवा माता जी तक अष्टमी को

कुकड़ेश्वर/मनासा, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विगत वर्षानुसार इस वर्ष भी जय माता दी मित्र मण्डल कुकडेश्वर द्वारा कुकडेश्वर से मालवा की वैष्णोदेवी माँ भादवा के आँगन तक निकाली जाना है। जिसको लेकर श्री सहस्त्र मुखेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। जिसमे सर्वसहमति से विगत वर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य व ऐतिहासिक चुनर यात्रा निकालने हेतु सहमति बनी है। इस ऐतिहासिक चुनर यात्रा में बड़ी तादात में महिला पुरुष शामिल होकर इस धर्म यात्रा को सफल बनाएंगे। आयोजन को लेकर नव समिति का गठन सर्वानुमति से किया गया। जिसमे आयोजन मार्गदर्शक में नरेंद्र तुगनावत, जिनेन्द्र मारू, नरेंद्र मालवीय, संजय मुजावदिया, विनोद मोदी, डॉ. रामु कछावा, मदन मौर्य, श्री राम मालवीय, विभौर पटवा व मुकेश जिगर मनोनीत हुए। वंही आवागमन व्यवस्था वाहन हेतु प्रभारी पद पर कैलाश घाटी मालवीय (विधायक प्रतिनिधि), नरेंद्र मालवीय, नन्दलाल मालवीय (पार्षद प्रतिनिधि) मनोनीत हुए व कार्यक्रम संयोजक पद पर सोनू शास्त्री 'जोशी', व जय माता दी मित्र मण्डल के अध्यक्ष पद हेतु वार्ड 13 के पार्षद प्रतिनिधि विजेश माली को मनोनोति किया गया। वंही उपाध्यक्ष पद पर आदित्य कमठोरा, मनोज वश्नारिया, राहुल व सुनील मोदी सहित सचिव पद पर आयुष पटवा, सह सचिव पद पर गणपत जगोलिया व कोषाध्यक्ष पद पर विनोद जगोलिया, मीडिया प्रभारी पद पर पत्रकार गोपालदास बैरागी, फोटोग्राफर मनीष पुरोहित व शुभम विश्वकर्मा को मनोनीत किया गया। जय माता दी मित्र मण्डल कुकडेश्वर ने नगर व क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी जन से अपील की है कि नवरात्रि के पावन पर पर व दिनांक 11 अक्टूबर 2024, दुर्गाष्मी को दोपहर 3 बजे, कुकडेश्वर नगर के तंबोली चौक में विराजित माँ भवानी के आँगन से भव्य चुनर यात्रा प्रारम्भ होगी। जो कि सदर बाजार, बस स्टेण्ड होते हुए पिपलिया घोटा, हाड़ी पिपलिया, मनासा, सावन होते हुए माँ भादवा के आँगन तक पहुंचेगी। जिसमे आप सभी सादर आमंत्रीत है।

अभा भारोत्तोलन प्रतियोगिता में केशव नगर मंदसौर ने लहराया परचम

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 35वा अखिल भारतीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में दिनांक 02से05 अक्टूबर तक आयोजित की जारही है जिसमे सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर मंदसौर की 19 की बहिन सलोनी व्यास, बहिन मधु अवस्थी, बहिन भूमिका मालवीय और बहिन आयुषी माली ने 17 में सिमरन वर्मा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 17 में बहिन सिमरन वर्मा ने स्वर्ण पदक और बहिन प्रियांशी शर्मा और मानवी रियार ने रजत पदक प्राप्त किया। भैयाओं में 17 बंजमहवतल में भैया सुमित अहिरवार और भैया राहुल गेहलोत ने सिल्वर पदक प्राप्त किया। और भैया जसपाल सिंह दिव्य पाटीदार शिवराज राव, सूरज सिंह चैहान ने ब्रॉन्ज पदक प्राप्त किया।

संरक्षक आचार्य के रूप में श्री कल्पेश सिंह राठौर एवम सुश्री तनुष्का नागोरे अखिल भारतीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। इस प्रकार कुल 5 गोल्ड 4 सिल्वर औ 4 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुए। स्वर्ण पदक विजेता बहिन भारोत्तोलन प्रतियोगिता में विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करेगी। इस अवसर पर विभाग समन्वयक श्री राघवेन्द्र देराश्री, प्रो राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति के पदाधिकारियों, विद्यालय के प्राचार्य ,प्रधानाचार्य, खेल शिक्षक एवम विद्यालय के समस्त आचार्य दीदियो ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की।

जीरन में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के तहत कार्यक्रम संपन्न

नीमच, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। वनमण्डलाधिकारी नीमच श्री एसके अटोदे एवं उपवनमण्डलाधिकारी श्री आर.आर.परमार के मार्गदर्शन में शनिवार को जीरन महाविद्यालय में वनविभाग टीम नीमच द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह एक से 7 अक्टूबर के तहत निबंध लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता, रैली तथा मुख्यमंत्री एवं वनमंत्री के संदेश के वाचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संदेश का वाचन प्रोफेसर रणजीत सिंह चंद्रावत ने किया। तदपश्चानत वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता के लिए रैली आयोजित की गई।

शताब्दी वर्ष में घर-घर पहुंचेगा संघ

मनासा, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मनासा द्वारा विजयादशमी पर नगर की चार बस्तियों से चार बस्ती शह पथ संचलन निकाले जाएंगे,, संघ विजयादशमी पर 99 वर्ष पूर्ण कर अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है और संघ बड़े बड़े कार्यक्रम न करते हुए अपनी बस्ती इकाई से मोहल्लों तक पहुंचने के लिए प्रयासरत है, 12 अक्टूबर को नगर की केशव शाखा भाटखेड़ी नाका, कृषि उपज मंडी नीमच नाका, समर्पण शाखा उषागंज, विवेकानंद शाखा रामपुरा नाका से नगर में चार बस्ती शह पथ संचलन निकाले जाएंगे।

गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना से नीमच जिले के 646 गांवों में हर घर नल से मिलेगा जल

नीमच, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन की 1798.05 करोड़ लागत की गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना का अस्सी फीसदी कार्य पूरा हो गया है। योजना का सम्पूर्ण कार्य पूरा कर, मार्च माह से नीमच मन्दसौर जिले के कुल 915 गांवों में हर घर नल से शुद्ध जल प्रदाय प्रारंभ कर दिया जावेगा। इसमें नीमच जिले के 646 गांव एवं मन्दंसौर जिले के 269 गांव शामिल है।

महाप्रबंधक जल निगम श्री जितेंद्र सिंह राणावत ने बताया, कि इस गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना से नीमच मन्दसौर जिले की 10 लाख 55 हजार 455 से अधिक जनसंख्या लाभांवित होगी। इसके साथ ही नीमच जिले के 6 व मन्दसौर जिले की 1 नगरीय निकाय को भी योजना से बल्क मात्रा में शुद्ध जल प्रदाय किया जावेगा। नगर परिषद जीरन को 2.0 एम.एल.डी., रतनगढ़ को 1.8 एम.एल.डी., अठाना को 0.9 एम.एल.डी., सरवानिया महाराज को 1.3 एम.एल.डी., सिंगोली को 1.5 एम.एल.डी., कुकडेश्वर को 1.6 एम.एल.डी. एवं नारायणगढ़ (मन्दसौर) को 1.7 एम.एल.डी. जल प्रदाय किया जावेगा। योजना के तहत निर्माण कार्य मैसर्स दिलीप बिल्डकान लिमिटेड भोपाल द्वारा किया जा रहा है।

गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना के तहत 168.72 एम.एल.डी. क्षमता का ग्राम सालरामाला में एक इन्टरवेल एवं एप्रोच ब्रिज निर्माण का कार्य प्रगति पर है। रा वाटर पम्पिंग मैन पाईप लाईन 11.80 किलोमीटर बिछाने का कार्य भी प्रगति पर है। ग्राम बस्सी के समीप 136 एम.एल.डी. क्षमता का वृहद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण का कार्य भी 80 प्रतिशत से अधिक पूर्ण कर लिया गया है। क्लीयर वाटर पम्पिंग मैन पाईपलाईन बिछाने का कार्य 0.595 किलोमीटर में किया जा रहा है। पचास से 2100 किलोलीटर क्षमता के 21 क्लीलयर वाटर सम्पट निर्माण का कार्य भी तेजी से जारी है। योजना के तहत पचास से 650 किलोलीटर क्षमता के 316 आर.सी.सी. ओव्हर हैड टैंक निर्माण का कार्य प्रगति पर है। क्लीयर वाटर ग्रेविटी/मैन फीडर का कार्य 1754.89 किलोमीटर लंबाई में किया

जा रहा है। इसमें से 1447.92 किलोमीटर पाईपलाईन बिछाने का कार्य पूर्ण हो गया है। इस योजना के तहत 4733.67 किलोमीटर लंबी जल वितरण पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें से अब तक 3766.20 किलोमीटर लंबी पाईप लाईन बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस योजना के तहत कुल 1 लाख 70 हजार 617 घरेलू नल कनेक्शन दिए जाना है। इनमें से अब तक 1 लाख 39 हजार 462 घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय किए जा चुके हैं। योजना के तहत विभिन्न निर्माण कार्यों के कारण 1147 किलोमीटर रोड कटिंग की गई थी। इसमें से अब तक 328.27 किलोमीटर रोड़ रेस्ट्रोरेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। शेष 819.455 किलोमीटर रोड़ रेस्ट्रोरेशन का कार्य भी तेजी से लगभग 50 टीमों द्वारा निरंतर किया जा रहा है। रेस्ट्रोरेशन का सम्पूर्ण कार्य नवम्बर तक पूरा कर लिया जाएगा। महाप्रबंधक जल निगम श्री राणावत ने बताया, कि गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना से माह मार्च 2025 के प्रथम सप्ताह से हर घर नल से शुद्ध जल आपूर्ति प्रारंभ कर दी जाएगी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	20	2500	2700
उडद	93	5500	7099
सोयाबीन	6310	4000	4716
गैहु	2532	2780	3190
चना	82	5000	7151
मसुर	96	5311	6040
धनिया	360	5252	7401
लहसुन	10325	12201	28501
मैथी	410	5201	6300
अलसी	1950	5500	6152
सरसो	435	5601	6100
तारामीरा	2	5000	5101
इसबगोल	85	10500	13500
प्याज	1566	1600	4343
कलोंजी	26	13999	18544
डॉलर	22	10500	12317
तिल्ली	77	10590	12950
मटरसुखी	1	5500	5500
असालीया	48	9701	12900.

मंदसौर जिला चिकित्सालय: रेफरल अस्पताल का तमगा कब हटेगा..?

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के जिला चिकित्सालय को सुंदरलाल पटवा शासकीय मेडिकल कॉलेज से जुड़ने के बाद उम्मीद थी कि अस्पताल की सेवाओं में व्यापक सुधार होगा। राजनीतिक मंचों पर इस संबंध को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए। कहा गया कि अब यहां मरीजों को उच्चस्तरीय उपचार की सुविधा मिलेगी और यह अस्पताल 'रेफरल हॉस्पिटल' नहीं रहेगा। यह भी दावा किया गया कि मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसरों और सहायक प्रोफेसरों की देखरेख में इलाज होगा, और अस्पताल में जटिल बीमारियों, जैसे कैंसर के ऑपरेशन भी किए जा रहे हैं।

हालांकि, हाल ही की घटनाओं ने इन दावों पर सवाल खडे कर दिए हैं। 2 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय में मारपीट की घटना के बाद मरीज शिवा योगी को मेल सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया था। उसके सिर में चोट और हाथ की उंगलियों में फैक्चर था। लेकिन मात्र एक दिन बाद, 3 अक्टूबर को, उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। यहां सवाल उठता है कि जब जिला चिकित्सालय में मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, तो मरीज को हायर सेंटर पर रेफर करने की क्या आवश्यकता थी? क्या शिवा योगी की स्थिति इतनी गंभीर थी कि उसका उपचार मंदसौर में संभव नहीं था? या फिर यह दर्शाता है कि स्थानीय अस्पताल अब भी गंभीर मामलों को संभालने में सक्षम नहीं है?

रेफरल कल्चर का कारण–मंदसौर जिला चिकित्सालय को रेफरल अस्पताल के रूप में जाना जाता था, जहां से गंभीर मरीजों को बडे शहरों के हायर सेंटरों में भेजा जाता था। लेकिन मेडिकल कॉलेज से संबंध स्थापित होने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि इस स्थिति में सुधार होगा। आज भी मरीजों को छोटे-मोटे फैक्चर और चोटों के लिए भी रेफर करना कहीं न कहीं व्यवस्थागत खामियों की ओर इशारा करता है।

नेमीचंद राठौर

इस समस्या के पीछे कई कारण हो सकते हैं–विशेषज्ञता की कमी: भले ही मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर जुडे हों, लेकिन क्या यह विशेषज्ञता हर वक्त और हर स्थिति में उपलब्ध होती है, यह एक सवाल है। यदि विशेषज्ञ डॉक्टर पूरी तरह से उपलब्ध नहीं होते, तो रेफरल का विकल्प अपनाया जाता है।

संसाधनों की कमी–आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और सुविधाओं की उपलब्धता भी एक बडी समस्या हो सकती है। मरीजों का उपचार के लिए सही उपकरण या अन्य मेडिकल सुविधाएं न होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल भेजना पड़ता है।

चिकित्सकीय निर्णय–कभी-कभी डॉक्टर किसी मरीज को बेहतर और विशेष उपचार के लिए हायर सेंटर भेजने का निर्णय लेते हैं, लेकिन यह निर्णय हमेशा तकनीकी कारणों पर आधारित होता है। मरीजों को बेहतर इलाज दिलाने के लिए ये फैसला लिया जा सकता है, लेकिन यह भी सवाल खड़ा करता है कि यदि सभी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हैं, तो क्या रेफरल आवश्यक था?

जनता की उम्मीदें और हकीकत–मंदसौर के नागरिकों ने मेडिकल कॉलेज के जुड़ने के बाद अपने शहर में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीदें की थीं। यह माना गया था कि अब मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहर नहीं भेजा जाएगा, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखकर लगता है कि यह उम्मीदें अब तक पूरी नहीं हो पाई हैं। सवाल यह है कि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स की उपस्थिति के बावजूद, क्यों अभी भी मरीजों को हायर सेंटर भेजा जा रहा है? क्या यह दर्शाता है कि जिला चिकित्सालय में अभी भी वह क्षमता विकसित नहीं हो पाई है जिसकी उम्मीद की जा रही थी? मंदसौर जिला चिकित्सालय का 'रेफरल अस्पताल' का तमगा अब भी हटने का इंतजार कर रहा है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि मरीजों को सही समय पर, सही स्थान पर और अपने ही शहर में बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। स्थानीय नागरिकों की यह उम्मीद है कि जल्द ही जिला चिकित्सालय अपने नाम के अनुरूप सेवाएं देना शुरू करेगा और मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर करने की आवश्यकता नहीं पडेगी।

मुख्यमंत्री द्वारा लाड़ली बहनों के खाते में 1574 करोड़ की राशि अंतरित

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 55 लाख हितग्राहियों को 332.71 करोड़ की राशि का भुगतान, नीमच जिले की 1.60 लाख से अधिक बहनों के खाते में 19.51 करोड़ की राशि अंतरित

नीमच, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने शनिवार को दमोह जिले के सिग्रामपुर में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में अक्टूबर माह की किश्त के रूप में प्रति बहना 1250 रूपये के मान से कुल 1574 करोड रूपये की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से बहनों के खाते में अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत प्रदेश के 55 लाख हितग्राहियों के खाते में 332.71 करोड की सहायता राशि भी अंतरित की। नीमच जिले की एक लाख 60 हजार 776 बहनों के खाते में 1250 रूपये के मान से सितम्बर पेड इन अक्टूबर माह की किश्त के रूप में कुल 19 करोड 51 लाख रूपये की राशि भी सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। साथ ही जिले के 59 हजार 88 हितग्राहियों को 3 करोड 54 लाख 91 हजार रूपये की पेंशन राशि भी अंतरित की।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सिंग्रामपुर में आयोजित कायक्रम में 547.49 करोड के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण भी किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने 450 रूपये गैस रिफलिंग योजना के तहत 24 लाख बहनों के खातें में 28 करोड़ की राशि भी सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेन्द्रक शुक्ला, मंत्री मण्डल के सदस्यगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। दमोह जिले के सिंग्रामपुर से इस कार्यक्रम का वेब कास्टिंग के जरिए सभी जिलों में सीधा प्रसारण भी किया गया। नीमच के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्र सिह धार्वे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री टी.सी.मेहरा एवं लाडली बहना योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राही भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दमोह के पर्यटन पर आधारित पुस्तिका दमोह दर्शन का विमोचन किया और संकट के साथी मोबाईल एप्प का शुभारंभ भी किया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच पर कन्याओं का पूजन किया और दीप प्रज्ञवलित कर, कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा पुष्पवर्षा कर, उपस्थित लाड़ली बहनों का स्वागत अभिनंदन किया। मंत्री श्री धमेन्द्र सिह लोधी ने स्वागत भाषण दिया। मुख्यमंत्री जी को स्मृति स्वरूप रानी दुर्गावती प्रतिमा भेट की गई एवं बड़ी माला से उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम को क्षेत्रिय सांसद श्री राहुल सिह ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों को 32 करोड़ 44 लाख का हितलाभ प्रदान किया

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंदसौर जिले की 2 लाख 67 हजार 550 हितग्राहियों को 32 करोड़ 44 लाख का हितलाभ प्रदान किया गया। साथ ही जिले के पेंशन हितग्राहियों को पेंशन का भुगतान किया गया। हितलाभ वितरण का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम दमोह जिला में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले की सभी ग्राम पंचायत में किया गया। मंदसौर एनआईसी कक्ष में भी उक्त कार्यक्रम को हितग्राहियों ने देखा और सुना। इस दौरान मंदसौर एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती स्वाति तिवारी, लाडली बहने, अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

सफाई मित्रों को किया सम्मानित

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में नगर परिषद पिपलिया मंडी को दिल्ली व भोपाल में सम्मानित किए जाने पर कांग्रेस नेताओं व पार्षदों ने सफाई मित्रों का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया व कहा कि नगर परिषद् को जो सम्मान मिला है, वह सफाई मित्रों की ही देन है, जो दिन-रात नगर में स्वच्छ रखने का कार्य करते है। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामप्रसाद गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष सरफराज मेव, पार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र महावर व अशोक कोहली, मण्डलम अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, गोपाल राठौर, बबलू राठौर आदि उपस्थित थे।

घोड़ी से नीचे गिराकर की मारपीट

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। घोडी से नीचे गिराकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। बरखेडा देव निवासी ईश्वरलाल पिता जगदीश लोहार ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं खेत से घोडी पर बैठकर घर जा रहा था, इसी दौरान पुराने विवाद के चलते विष्णु पिता परसराम जाट ने मुझे गालियां दी व घोडी से नीचे गिरा दिया व मारपीट की। जिससे हाथ, सिर पर चोंटे आई। पुलिस ने विष्णु के खिलाफ केस दर्ज किया।

ट्रैन में गुम हुए 8 वर्षीय बालक को प्लाटून कमांडर नरेंद्र जोशी ने मिलाया बिछड़े माता-पिता से

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। ट्रैन में गुम हुआ 8 वर्षी बालक को प्लाटून कमांडर श्री नरेंद्र जोशी ने बडी मेहनत कर ने मिलाया बिछडे माता-पिता से 2 राज आर। वी यूनिट के ट्रूप के प्लाटून कमांडर नरेंद्र जोशी विगत रात्रि मंदसौर से उदयपुर की और वीर भूमि एक्सप्रेस यात्रा कर रहे थे जिसमें 8 वर्षीय बालक नीमच से चढ़कर उदयपुर की और ट्रेन में सफर कर रहा था जिसके दौरान उसको लंबे समय से अज्ञात अवस्था में देखकर प्लाटून कमांडर ने उससे सामान्य पूछताछ की जिसने स्वयं के बारे में जानकारी देकर माता-पिता से गुम होना बताया मिली जानकारी अनुसार बालक उदयपुर पायड हनुमान मंदिर चौक यूनिवर्सिटी रोड का होना पाया जिससे संबंधित सूचना कमांडर जोशी द्वारा उदयपुर जीआरपी थाने में दी गई थाने में पदस्थ आरक्षक श्री राकेश चौधरी द्वारा बालक द्वारा मिली जानकारी के अनुसार उसके क्षेत्र में पूछताछ की गई एवं कमांडर जोशी बालक को उदयपुर राणा प्रताप जीआरपी थाने लेकर पहुंचे और आरक्षक श्री राकेश चौधरी के साथ मिलकर अपनी सूझबूझ और सतर्कता के साथ बालक को सुरक्षित रूप से रात्रि समय 1:00 बजे घर पहुंचा कर अपने माता पिता से मिलवाया कमांडर जोशी से इसके बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि स्वयं से पहले राष्ट्र सेवा और आमजन के प्रति सुरक्षा और सेवा का कर्तव्य है। जो कि हमारे कठिन प्रशिक्षण का हिस्सा एवं हमारी यूनिट के कमान अधिकारी कर्नल एन. मनोज का नेतृत्व और सर्वोच्च मार्गदर्शन है। और बच्चे के माता-पिता के द्वारा प्लाटून कमांडर श्री नरेंद्र जोशी का और जीआरपी पुलिस सभी का आभार व्यक्त किया है।

कूनो पार्क के गेट 6 से खुलेंगे, खुले जंगल में चीतों का दीदार कर सकेंगे पर्यटक

श्योपुर, 5 अक्टूबर। पर्यटकों के लिए खुश खबरी है, क्योंकि उनके लिए आज से कूनो नेशनल पार्क के गेट खुलने जा रहे हैं। विशेष बात ये है कि इस बार तीनों गेट एक साथ खोले जाएंगे, जिससे पर्यटकों प्रवेश दिया जाएगा। कूनो में घूमने आने वाले पर्यटकों को चीतों का दीदार भी हो सकेंगा। कूनो प्रबंधन जल्द ही दो चीतों को खुले जंगल में रिलीज करने जा रहा है। जिसकी तैयारी कर ली है।

बारिश की वजह से सड़क थी खराब–बता दें कि, इस बार अधिक बारिश अधिक होने की वजह से पार्क की सडकें आवागमन योग्य नहीं थी। इसलिए 1 अक्टूबर को पर्यटन सीजन में पार्क के गेट नहीं खुल सके। अब रास्तों की मरम्मत का काम पूरा हो गया है इसलिए पांच दिन देरी से 6 अक्टूबर को कूनो पार्क के गेट पर्यटकों के लिए खोले जाएंगे। जिसकी कूनो प्रबंधन ने तैयारी पूरी कर ली है।

12 व्यस्क और 12 शावक चीते–प्रबंधन द्वारा कूनो नेशनल पार्क के अहेरा गेट (पोहरी की ओर), पीपलबाडी (विजयपुर के अगरा की ओर) और मुख्य गेट टिकटोली (सेसईपुरा) को साथ खोला जाएगा। पिछले सीजन की शुरूआत में एक ही गेट खोला गया था, लेकिन इस बार तीन गेट एक साथ खोले जाएंगे। जिससे पर्यटकों के अधिक आने उम्मीद है। कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 12 व्यस्क और 12 शावक चीते मौजूद हैं, जो अभी बाड़े में बंद हैं।

पर्यटकों के दीदार के लिए जंगल में छोड़े जाएंगे चीते–पर्यटन सीजन में आज से पर्यटकों के लिए कूनो के गेट खुल जाएंगे। पर्यटक इन गेटों से प्रवेश कर कूनो में चीतों के दीदार कर सकेंगे। एक-दो दिन में बाड़े में बंद चीतों को खुले जंगल में रिलीज किया जाएगा। हालांकि अभी छोड़ने को लेकर डेट तय नहीं की गई है लेकिन बताया जा रहा है कि, गेट खोलने के एक-दो दिन बाद चीतों को खुले जंगल में छोड दिया जाएगा। चीतों को छोडने की प्रबंधन ने सारी तैयारी पूरी कर ली है।

पिछले सीजन में आए 3172 पर्यटक–हालांकि प्रोजेक्ट चीता आने के बाद भी कूनो में अभी पर्यटकों को चीतों के दीदार नहीं हुए हैं, लेकिन चीतों की उमीद में यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि पिछले पर्यटन सीजन 2023-24 में अब तक के सबसे ज्यादा पर्यटक आए। कूनों के तीनों गेटों से 1 अक्टूबर 2023 से 30 सितंबर 2024 तक 3172 पर्यटक आए, इनमें 28 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं।

इस टाइम प्रवेश कर सकेंगे हैं पर्यटक–✼ सुबह 06:30 बजे से 10:00 बजे तक ✼ शाम 03:00 बजे से 06:00 बजे तक ✼ प्रत्येक बुधवार को शाम का अवकाश रहेगा।

कल से पर्यटकों के लिए कूनो पार्क के गेट खुल जाएंगे। इस बार तीनो गेट एक साथ खोले जाएंगे। चीतों को जल्द खुले में छोडा जाएगा, अभी तारिख तय नहीं है, लेकिन एक-दो दिन में चीतों को जंगल में छोडा जाएगा।

उत्तम कुमार शर्मा मुख्य वन संरक्षक, सिंह परियोजना

पिपलिया नगर परिषद की साधारण बैठक में 11 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

पिपलियामंडी, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद पिपलियामंडी की साधारण बैठक श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। दशहरा उत्सव मनाए जाने के संबंध में विचार विमर्श कर परम्परा अनुसार मनाए जाने हेतु सर्वानुमति से स्वीकृति दी गई। कांग्रेस पार्षदों ने नियम विरुद्ध किए गए तीन नामान्तरण को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। इसी के साथ सेन, जैन, राजपूत व महेश्वरी समाज द्वारा मूर्ति/प्रतीक चिन्ह नगर में मुख्य मार्ग पर लगाए जाने के संबंध में स्वीकृति देते हुए शासन एवं संस्कृति विभाग को प्रस्ताव भेजने का निर्णय सर्वानुमति से लिया। सब्जी मंडी परिसर में सावित्रीबाई फूले की प्रतिमा लगाए जाने की स्वीकृति भी प्रदान की गई। शासन के निर्देशानुसार गीता भवन निर्माण के लिए सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई तथा नामांतरण के लिए प्राप्त 113 आवेदनो में से 03 आवेदन में आपत्ति होने से उन्हें रोका जाकर 110 नामांतरण प्रकरण सर्वानुमति से स्वीकृत किए। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली में व मुख्यमंत्री द्वारा भोपाल में नगर परिषद् पिपलियामंडी को सम्मानित किए जाने पर पार्षदगणों को सहयोग प्रदान करने पर अध्यक्ष देवरिया ने गुलदस्ते भेट कर सम्मान किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, पार्षदगण श्रवण चौहान, संगीत धनोतिया, वंदना तिवारी, ललित कसेरा, संतोष योगी, चेतना पोरवाल, बलराम सोलंकी, माया महावर, धापूबाई कोहली, बाबूभाई मंसूरी, सरफराज मेव, विष्णुबाला कराडा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सेन, उपयंत्री राजेश उपाध्याय, प्रभारी लेखापाल महावीर जैन, राजस्व प्रभारी सुनील साहू आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

नियम विरुद्ध कर दिया नामान्तरण:–नेता प्रतिपक्ष सरफराज मेव, कांग्रेस पार्षदगण माया महावर, धापूबाई कोहली, चेतना पोरवाल ने आरोप लगाया कि टीनसी व रेरा की अनुमति नही होने के बाद भी कृषि उपज मंडी के पीछे तीन प्लाटों का नियम निरुद्ध नामान्तरण कर दिया। कांग्रेस पार्षदों ने आपत्ति जताते हुए सीएओ से कहा कि हम इसकी कलेक्टर को शिकायत करेंगे।

एमपी हाईकोर्ट ने दिया धार कलेक्टर सहित दो अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश

इंदौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने धार जिले के कलेक्टर प्रियांक मिश्र और जिला पंचायत के मुख्य तत्कालीन कार्यपालन अधिकारी शृंगार श्रीवास्तव के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। अदालत के आदेश का पालन नहीं करने पर यह आदेश जारी किया गया है।

इस मामले में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रसन्ना भटनागर ने बताया कि याचिकाकर्ता मिथुन चौहान ग्राम पंचायत नालछा जिला धार में ग्राम रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ था। 25 फरवरी 2017 को स्वास्थ खराब होने के कारण वह एक दिन कार्य पर उपस्थित नहीं हो सका। एक दिन की अनुपस्थिति को कदाचरण बताते हुए, बिना जांच किए और बिना सुनवाई का अवसर दिए उसे हटा दिया गया।

हाईकोर्ट में लगाई थी रिट याचिका–उक्त आदेश को चुनौती देते हुए ग्राम रोजगार सहायक ने अपील प्रस्तुत की, लेकिन अपील भी निरस्त कर दी गई। जिसके बाद उसने 2019 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में रिट याचिका प्रस्तुत की। इसके बाद हाईकोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए 22 अगस्त 2023 को उसकी सेवा समाप्ति के आदेश को निरस्त कर दिया गया था। इसके साथ ही यह आदेश भी दिया गया कि ग्राम रोजगार सहायक को 50 प्रतिशत पिछले वेतन सहित वापस नौकरी पर रखा जाए।

हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया–इस आदेश को चुनौती देते हुए शासन के द्वारा अपील प्रस्तुत की गई, लेकिन 3 जुलाई 2024 को अपील भी निरस्त हो गई। अपील निरस्त होने के बाद भी हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया गया।याचिकाकर्ता ने अवमानना याचिका प्रस्तुत की जिसमें दिनांक 20 सितंबर 2024 को शासन को यह निर्देश दिए कि वह आदेश का पालन करें। इसके साथ ही 4 अक्टूबर 2024 को न्यायालय के समक्ष उपस्थित रहें। इसके बाद भी आदेश का पालन नहीं किया गया और न ही उक्त दोनों अधिकारी हाईकोर्ट में उपस्थित रहे। इसलिए न्यायालय द्वारा कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए गए हैं।

संस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा रक्तबीज का वध नृत्य नाटिका की प्रस्तुति आज

नीमच, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आज 6 अक्टोबर को शाम 6.30 बजे महामाया मॉ भादवामाता मंदिर परिसर नीमच में शक्ति पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस शक्ति पर्व में उज्जैन के श्री हीरामणी वर्मा एवं साथी देवी गीत की प्रस्तु ति देंगे। भोपाल की सोनिया नाग, एवं साथी कलाकारों द्वारा नृत्यनाटिका रक्तबीज का वध प्रस्तु त की जावेगी। कार्यक्रम में भोपाल के कलाकार दुर्गा मिश्रा एवं साथीगणों द्वारा अन्न स्वरूपा मॉ दुर्गा तथा भोपाल के भजन गायक श्री आकाश गुंटीवार एवं साथियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जावेगी।

मंदसौर को संभाग बनाओ आंदोलन के तहत चल रहे पोस्टकार्ड अभियान को नागरिकों का मिल रहा अपार समर्थन

मंदसौर, 05 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नागरिक मंच आप और हम के तत्वावधान में मंदसौर को संभाग बनाओ आंदोलन के तहत गांधी चौराहा पर प्रतिदिन पोस्टकार्ड अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नाम आमजन मंदसौर को संभाग बनाने की मांग को लेकर पोस्टकार्ड लिख रहे हैं। पोस्टकार्ड अभियान के तीसरे और चौथे दिन भी नागरिकों ने अपार उत्साह प्रदर्शित किया।और सैकड़ो की संख्या में पोस्टकार्ड आम जनों के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम लिखे जा रहे हैं।

पोस्टकार्ड अभियान के चतुर्थ दिन दशपुर लाफ्टर क्लब और दिगंबर जैन महिला समिति के द्वारा गांधी चौराहा पर पोस्टकार्ड अभियान में अपनी सेवाएं दी गई। दशपुर लाफ्टर क्लब की ओर से सर्व श्री नरेंद्र मेहता, नेमीचंद जैन, अजीत नाहर,तेजमल गांधी, जय राम खेराजानी, पारस जैन, देवेंद्र चपरोत शिखर चपरोत ,आत्माराम कोठारी, पी आर ज्ञानी आदि अभियान में सम्मिलित हुए। दशपुर लाफ्टर क्लब द्वारा संभाग बनाओ अभियान कोर कमेटी के सदस्य सर्व श्री गुरुचरण बग्गा,नरेंद्र अग्रवाल ,ब्रजेश जोशी,उमेश पारिख,सीमा चोरडिया, बंशीलाल टांक,अजीजुल्ला खान खालिद और राधेश्याम मालवीय का सम्मान भी किया। इसी प्रकार श्री दिगंबर जैन महिला संगठन द्वारा भी मंदसौर को संभाग बनाने के लिए चलाए जा रहे पोस्ट का अभियान में चौथे दिन सम्मिलित हो कर सेवाएं दी गई। श्री दिगंबर जैन महिला संगठन की संरक्षक डॉ. कमला जैन,अध्यक्ष डा.चंदा भरत कोठारी, मनीषा बोहरा, रानी अग्रवाल, साक्षी जैन,मीना बक्षी सुमन जैन डिंपल अजमेरा,अंगुरबाला गांधी,राजकुमारी जैन,सीमा जैन,प्रेमलता मिंडा आदि उपस्थित थीं। अभियान के सक्रिय कार्यकर्ता संदीप जैन को जन्मदिन की बधाई दी गई।

पोस्टकार्ड अभियान के चौथे दिन सर्वश्री मनोज जैन,कैलाश गहलोत ,अमित तंवर,टेकचंद पवार,रोशन मांडवकर, सोनम मांडवकर, संजय महाराणा,डॉ.निशा महाराणा, ओंकार सिंह, कमलजीत सिंह चपलाना, हरि नारायण,राधे श्याम गुप्ता,किशन दास चौहान,नानालाल जैन, श्वेता पोरवाल सरिता उपाध्याय हुकुमचंद आसेरी, मनोज सेवानी संजय कुमार श्रीवास्तव, मनोज मेहता पं.रविंद्र मिश्रा सहित सैकडो लोगों ने पोस्टकार्ड लिखते हुए इस अभियान को समर्थन दिया। मंदसौर नागरिक मंच आप और हम के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी ने बताया है कि रविवार 6 अक्टूबर को गांधी चौराहा पर पोस्टकार्ड अभियान स्थल पर कोर कमेटी के सभी सदस्य गण उपस्थित रहेंगे। और नवरात्रि पर्व में गरबोत्सव के आयोजनों में भी पोस्टकार्ड अभियान चलाए जाने पर विचार विमर्श करेंगे। श्रीअग्रवाल व श्री जोशी ने आम जनों से भी अनुरोध किया है कि वे सुबह 10 से 12 के बीच गांधी चौराहे पर चल रहे पोस्टकार्ड अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर अपने सुझाव और विचार भी देवें।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक मंदसौर, दिनांक 05.10.2024

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एई 1230 एवं ट्राली क्रमांक एमपी 14 एसी2927 जो कि संजय शर्मा पिता परमानंदजी शर्मा के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 30.08.2024 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती भावना शर्मा पति स्व. संजय जी शर्मा निवासी बसेर कालोनी, मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 69/2024 दिनांक 04.10.2024

✼✼✼ जाहिर सूचना ✼✼✼

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा सुमित्राबाई पति मनोहरलाल, जाति कुमावत, निवासी जवासिया, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर से आवासीय भूखंड जो भूमि सर्वे सर्वेक्षण संख्यांक 1268 (बी) पर दर्ज होकर जिसका भूखण्ड संख्यांक 272 (पी) होकर ग्राम जवासिया, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्वः त्याग विधिवत रजिस्टर्ड स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392024ए1184051 दिनांक 30.09.2024 से मेरे पक्षकार मनोहर पिता कारुलाल जाति कुमावत, निवासी जवासिया, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-जितेन्द्र पाटीदार, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-बाल किशन, पैमाईश रकबा-53 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur **से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।**

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in